हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 5 अक्टूबर 2026

11 दुलोठ जाट में कृष्ण जन्म की कथा में सुनाया बाल...



11 कैंप में अफसरों के सामने समस्याएं...



खबर संक्षेप



महेंद्रगढ़। विधायक को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

विधायक को सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

महेंद्रगढ़। बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन हरियाणा की राज्य स्तरीय मीटिंग में हुए निर्णय अनुसार कैप किए गए पदों को खुलवाने के लिए विधायक कंवर सिंह यादव को ज्ञापन सौंपते हुए मुख्यमंत्री को भिजवाने की अपील की। राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश चौहान ने विधायक कंवर सिंह यादव को ज्ञापन सौंपते हुए मुख्यमंत्री को सिफारिश सहित भिजवाने एवं ब्लॉक पदों को खुलवाने की मांग की राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश चौहान और पूर्व जिला प्रधान अनिल रसूलपूरियां ने जारी बयान में बताया कि तबादला नीति में जारी खाली पदों की सूची में जिला महेंद्रगढ़ के सैकड़ों पदों को कैप्ट करते हुए, सरकार यहां कार्यरत कर्मचारियों को प्रदेश के दूसरे जिलों मे भेजना चाहती है जो कि करनाल के आमजन के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।

महिला के गले से सोने का ओम झपटकर फरार

नारनौल। गांव छापड़ा बीबीपुर में बाइक सवार दो युवक सड़क पर घूम रही महिला के गले से सोने का ओम झपटकर फरार हो गए। महिला के बेटे की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में महिला के बेटे ने बताया कि उसकी मां घर के पास सड़क पर घूम रही थी। इसी दौरान बाइक पर आए दो युवकों ने उसके गले में पहना सोने का ओम झपट लिया और फरार हो गए। परिजनों ने आसपास तलाश की, लेकिन आरोपियों का पता नहीं चला। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खराब होने के कारण वारदात की फुटेज भी नहीं मिल सकी।

समिति ने उपचार गोशाला में लगाई सवामणी

नारनौल। श्रीगोमाता युवा उपचार सेवा समिति की ओर से रविवार को गोमाता उपचार गोशाला में गोवंश के लिए सवामणी का आयोजन किया गया। समिति के सदस्यों ने अपने हाथों से गायों को हरी सब्जी और हरा चारा खिलाया। समिति के अभिषेक बंसल ने बताया कि गोमाता उपचार गौशाला में वर्तमान में कई ऐसी गायें हैं, जो सड़क हादसों में गंभीर रूप से घायल हो गई थी। समिति की ओर से उनको हरी सब्जी खिलाई जाती है। हर रविवार को समिति के सभी युवा साथी सब्जी और अन्य खाने की सामग्री की व्यवस्था करते हैं। मनोज तायल ने बताया कि गोसेवा ही सच्ची मानव सेवा है। गायों की सेवा करने से मन को असीम शांति मिलती है। इस मौके पर डॉ. राजेश गोयल, नीरज गर्ग, अजय सैनी, जोगिंद्र सिंगल, अविनाश गोयल, सौरव गोयल, निलेश संघी, हरीश चौबे, विकास बंसल, महेश बंसल, रोमी बंसल आदि रहे।

गर्मी बनी रोड़ा: 35 डिग्री प्लस की गर्मी में कैसे होगी सरसों की बिजाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- सरसों की बिजाई का समय नजदीक, पारा 38 डिग्री के आसपास अटका, किसान चिंतित
- अक्टूबर के पहले सप्ताह में भी राहत के आसार कम, 7 से 13 अक्टूबर के बीच मौसम बदलने की संभावना
- मौसम ठंडा होने के इंतजार में किसान

मानसून की विदाई के बाद हरियाणा-एनसीआर समेत उत्तर-पश्चिम भारत में मौसम लगातार शुष्क और गर्म बना हुआ है। अक्टूबर का महीना शुरू होने के बावजूद दिन का तापमान कई स्थानों पर 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा रहा है। ऐसे में सरसों की बिजाई का समय नजदीक आने के साथ किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि यदि दिन का तापमान इसी तरह अधिक रहा, तो खेतों में सरसों की शुरूआती बढ़वार प्रभावित हो सकती है और बिजाई के लिए उपयुक्त समय को लेकर असमंजस की स्थिति बन सकती है। रविवार को दिन का तापमान 38 डिग्री दर्ज किया गया। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार सरसों रबी मौसम की प्रमुख तिलहनी फसल है। इसके अच्छे अंकुरण और शुरूआती विकास के लिए अपेक्षाकृत ठंडा मौसम जरूरी होता है। सरसों की बिजाई के समय दिन का तापमान सामान्य तौर पर करीब 25 से 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहना अनुकूल माना जाता है, जबकि लगातार 35 डिग्री या इससे अधिक तापमान रहने पर मिट्टी की नमी तेजी से कम हो सकती है और अंकुरण प्रभावित होने की आशंका रहती है। विशेषकर बिना सिंचाई वाले क्षेत्रों में तापमान और मिट्टी में पर्याप्त नमी का संतुलन किसानों के लिए महत्वपूर्ण है। बता दें कि दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी पंजाब, हरियाणा, एनसीआर दिल्ली, राजस्थान सहित उत्तर भारत के बड़े हिस्से से हो चुकी है। वर्तमान में राजस्थान के ऊपर प्रति-चक्रवातीय परिसंचरण बनने के कारण मैदानी क्षेत्रों में लगातार पश्चिमी गर्म और शुष्क हवाएं चल रही हैं। इन हवाओं के कारण वातावरण में नमी कम हो रही है तथा दिन और रात दोनों के तापमान सामान्य से ऊपर बने हुए हैं। रात का तापमान भी कई स्थानों पर 24 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है।

7 अक्टूबर के बाद मौसम में बदलाव के संकेत

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द्र मोहन ने बताया कि सात अक्टूबर से उत्तर भारत में मौसम में बदलाव की संभावना बन रही है। लगातार दो कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है। पहला पश्चिमी विक्षोभ सात अक्टूबर के आसपास और दूसरा 10-11 अक्टूबर के आसपास सक्रिय हो सकता है। इसके प्रभाव से पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। पूर्वानुमान के अनुसार अक्टूबर के पहले सप्ताह में गर्मी के तेवर बने रह सकते हैं। पश्चिमी हरियाणा के सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी तथा दक्षिणी जिलों महेंद्रगढ़, रेवाड़ी और गुरुग्राम में दिन का तापमान 39 से 41/42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई गई है। शेष हरियाणा, एनसीआर और दिल्ली में अधिकतम तापमान 35 से 40 डिग्री के बीच रह सकता है। वहीं उत्तरी जिलों सिरसा, फतेहाबाद, जींद, कैथल, कुरुक्षेत्र, पंचकूला, अंबाला और यमुनानगर में सात से 12 अक्टूबर के दौरान तेज हवाओं के साथ गरज-चमक और हल्की बारिश या बूंदाबांदी की गतिविधियां हो सकती हैं। वहीं दक्षिणी हरियाणा और एनसीआर में बादलों की आवाजाही तथा कहीं-कहीं छिटपुट बूंदाबांदी के आसार हैं।

बिजाई में जल्दबाजी न करें किसान

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि किसान केवल कैलेंडर देखकर सरसों की बिजाई करने के बजाय तापमान, मिट्टी की नमी और स्थानीय मौसम की स्थिति को ध्यान में रखें। यदि खेत में पर्याप्त नमी नहीं है और दिन का तापमान लगातार 35 डिग्री से ऊपर बना हुआ है, तो बिजाई में जल्दबाजी करने से अंकुरण प्रभावित हो सकता है। मौसम में बदलाव और तापमान में गिरावट आने के बाद बिजाई करना अधिक लाभकारी रह सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक 13 अक्टूबर के बाद मौसम प्रणाली के आगे निकलने पर उत्तर-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव से तापमान में गिरावट आने तथा सुबह के समय हल्की ठंड महसूस होने की संभावना है। ऐसे में किसानों को आने वाले दिनों के मौसम पर नजर रखते हुए सरसों की बिजाई का निर्णय लेने की सलाह दी गई है।

आठ साल में भी नहीं बन पाया अटल पार्क, अब पेमेंट पर विजिलेंस की रोक

पांच एकड़ में 2.68 करोड़ से बनने वाले इस पार्क का काम अधर में लटका

- सीएम फ्लाइंग की जांच के बाद नगर परिषद को आदेश
- आदमपुर दाढ़ी कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड को आगामी आदेश तक भुगतान पर पाबंदी
- करीब एक करोड़ की पेमेंट अटकी

राजकुमार ▶▶| नारनौल



नारनौल। करीब दो करोड़ खर्च करके ऐसा तैयार किया गया है अटल पार्क।

जिस अटल पार्क को शहरवासियों के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस कर जिले का सबसे लंबा जॉगिंग ट्रैक वाला प्रमुख पार्क बनाने का जो सपना दिखाया गया था, वह आठ साल बाद भी अधूरा पड़ा है। करीब पांच एकड़ में 2.68 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस पार्क का निर्माण छह माह में पूरा करने का लक्ष्य था, लेकिन वर्षों बाद भी काम पूरा नहीं हो पाया। अब निर्माण की गुणवत्ता, अधूरे कार्य और शिकायतों की जांच के बाद मामला नए मोड़ पर पहुंच गया है।

सीएम फ्लाइंग की विजिलेंस जांच के आधार पर निर्माण एजेंसी की पेमेंट पर रोक लगा दी गई है। नगर परिषद को लिखित आदेश जारी कर आगामी आदेशों तक एजेंसी को पार्क से जुड़ा कोई भुगतान नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। एजेंसी का करीब एक करोड़ रुपये का क्लेम बताया जा रहा है। अटल पार्क का निर्माण आदमपुर दाढ़ी कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड को दिया गया था। इसके संचालक नवीन मित्तल को निर्माण कार्य पूरा करना था। योजना के तहत यहां जिले का सबसे लंबा जॉगिंग ट्रैक, ओपन जिम, बच्चों के लिए झूले, फव्वारे, लॉन, शौचालय, बैठने की व्यवस्था और पौधरोपण सहित कई सुविधाएं विकसित की जानी थीं, लेकिन वर्तमान में पार्क का बड़ा हिस्सा अधूरा है और परिसर में खरपतवार उगी हुई है।

13 अप्रैल को सीएम फ्लाइंग ने की थी जांच

पार्क के निर्माण में कथित देरी, अधूरे कार्य और गुणवत्ता को लेकर मिली शिकायत के बाद 13 अप्रैल 2026 को सीएम फ्लाइंग की टीम पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन रेवाड़ी के एसडीओ संजय कुमार के नेतृत्व में अटल पार्क पहुंची थी। पांच सदस्यीय टीम ने मौके का निरीक्षण कर निर्माण सामग्री के सैंपल लिए थे। सैंपलों को सील कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा गया था। टीम ने निर्माण की स्थिति, गुणवत्ता और लंबे समय से काम बंद रहने सहित विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी जुटाई थी। जांच के आधार पर अब नगर परिषद को पेमेंट रोकने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि मामले में अंतिम निर्णय अभी आना बाकी है।

यह कहते हैं अधिकारी

विजिलेंस ने जांच के आधार पर अटल पार्क की पेमेंट पर रोक लगा दी है। आगामी आदेशों तक यह रोक जारी रहेगी। संबंधित कंपनी ने करीब एक करोड़ रुपये का क्लेम कर रखा है।

–राकेश पूनिया, कार्यकारी अभियंता, नगर परिषद, नारनौल।

जिले का सबसे लंबा जॉगिंग ट्रैक भी अधूरा

अटल पार्क को जिले का सबसे लंबा जॉगिंग ट्रैक वाला पार्क बनाने की योजना थी। इसके साथ ओपन जिम, बच्चों के खेल उपकरण, फव्वारे, लॉन और हरियाली विकसित की जानी थी। मगर वर्षों बाद भी ये सुविधाएं पूरी नहीं हुईं। मौके पर कुछ फुटपाथ और निर्माण कार्य हैं, जबकि कई काम अधूरे हैं।

स्थानीय लोगों ने भी उठाए सवाल

कैलाश नगर के निवासियों रेणु, संजना, मोनिका, सरोज, मंजू, हरीश, सुरेंद्र, कालूराम और अजय सहित अन्य लोगों ने उप नगर आयुक्त एवं नगर परिषद को ज्ञापन देकर पार्क की निर्माण गुणवत्ता की जांच और अधूरे कार्य जल्द पूरा करवाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि वर्ष 2018 में शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट करीब आठ साल बाद भी आधा-अधूरा है। उ लोगों ने आरोप लगाया कि इसमें मोटा घोटाला किया गया है और इसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। निवासियों ने पौधरोपण के तरीके पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि बिना उचित लेआउट और लैंडस्केप योजना के पौधे लगाए जा रहे हैं और पौधों के बीच करीब डेढ़ फीट की दूरी रखी जा रही है।

अटल पार्क में लगेगी पूर्व पीएम की मूर्ति

करीब आठ साल से अधूरे पड़े अटल पार्क के दिन अब फिर से संवरने की उम्मीद जगी है। नगर परिषद ने पार्क में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा स्थापित करने के लिए 8.59 लाख रुपये का टेंडर लगाया है। वहीं, पार्क के शेष अधूरे निर्माण कार्यों के लिए करीब एक करोड़ रुपये का एस्टिमेट तैयार किया गया है, जिसे स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। स्वीकृति मिलने के बाद शेष विकास कार्य कराने की योजना है। रेवाड़ी रोड पर एसटीपी के समीप वर्ष 2018 में पार्क विकसित करने की योजना शुरू की गई थी। नगर परिषद के अनुसार पार्क का करीब 65–70 प्रतिशत निर्माण पूरा हो चुका है और अब तक लगभग दो करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।



महेंद्रगढ़। विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सूरज स्कूल में पीटीएम के दौरान लगाई विज्ञान प्रदर्शनी

महेंद्रगढ़। सूरज स्कूल में अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन के साथ विज्ञान मॉडल एवं प्रोजेक्ट प्रदर्शनी हुई। प्रदर्शनी में कक्षा छठी से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने विज्ञान सहित विभिन्न विषयों पर आधारित आकर्षक, रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक मॉडल और प्रोजेक्ट प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में हाइड्रो पावर प्लांट, सोलर एवं विंड एनर्जी, प्लांट सेल द्वारा वाटर इलेक्ट्रोलाइसिस, हाइड्रोलिक ब्रेक सहित अनेक कार्यशील मॉडल विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। विद्यार्थियों ने इन मॉडलों के माध्यम से वैज्ञानिक सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप में समझाने का प्रयास किया। सभी मॉडल एवं प्रोजेक्ट क्रियाशील होने के कारण अभिभावकों में भी इनके प्रति विशेष उत्सुकता देखने को मिली। अभिभावकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों की मेहनत, रचनात्मक सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की जमकर सराहना की। निदेशक संदीप प्रसाद ने कहा कि सत्र के मध्य आयोजित अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं समग्र विकास की समीक्षा करना है। प्राचार्य चंद्रपाल यादव एवं अकादमिक कोऑर्डिनेटर सहित समस्त शिक्षकगण ने उपस्थित अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

राव इंद्रजीत सिंह ने मुख्यमंत्री से फोन पर की बाजरा खरीद को लेकर बातचीत

नारनौल। मार्केट कमेटी के चेयरमैन बाबूलाल प्रधान ने बताया कि केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने शनिवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से दूरभाष पर बातचीत कर दक्षिणी हरियाणा में बाजरा खरीद की स्थिति और किसानों को आ रही दिक्कतों पर चर्चा की। उन्होंने मुख्यमंत्री से किसानों की समस्याओं का समाधान कराने तथा उनकी पूरी उपज सरकारी मूल्य पर खरीद सुनिश्चित करने का आग्रह किया। बाजरा खरीद को लेकर किसानों को आ रही परेशानियों के बीच मार्केट कमेटी नारनौल के चेयरमैन बाबूलाल प्रधान ने भी सरकार से किसानों की पूरी उपज सरकारी मूल्य पर खरीद सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी हरियाणा बाजरा उत्पादन का प्रमुख क्षेत्र है और बड़ी संख्या में किसान इस फसल पर निर्भर हैं। ऐसे में खरीद प्रक्रिया में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

पीटीएम में शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़



महेंद्रगढ़। बैठक में उपस्थित अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

खरकड़ा आकोदा स्थित ज्ञानकोष-ए ग्लोबल स्कूल में रविवार को अभिभावक-शिक्षक-विद्यार्थी बैठक हुई। बैठक में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लिया और शिक्षकों के साथ अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। प्राचार्य रामनिवास ने बताया कि बैठक के दौरान शिक्षकों ने प्रत्येक विद्यार्थी के कक्षा में प्रदर्शन, अनुशासन, व्यवहार तथा आगामी परीक्षाओं की तैयारियों को लेकर अभिभावकों के साथ फीडबैक साझा किया। शिक्षकों ने अभिभावकों को प्रेरित किया कि वे घर पर भी बच्चों की पढ़ाई और दिनचर्या पर विशेष ध्यान दें, ताकि विद्यार्थी अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को बेहतर ढंग से प्राप्त कर सकें। सीईओ राकेश कुमार ने कहा कि जब माता-पिता और शिक्षक आपस में मिलकर बच्चों की प्रगति पर संवाद करते हैं, तो बच्चों के आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।

हर रविवार अलग-अलग स्थानों पर होगी कीर्तन सभा

- बिजली-पानी व सड़क समेत समस्याओं पर साप्ताहिक चर्चा
- हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की समस्याओं के समाधान के लिए एकता मंच का गठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी नसीबपुर के निवासियों ने कॉलोनी की सामूहिक एवं सार्वजनिक समस्याओं के समाधान के लिए 'हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी एकता मंच' का गठन किया है। मंच के सूत्रधार समाजसेवी गिरीश खेड़ा, अनुपम गौड़ और नारायण दत्त शर्मा ने बताया कि मंच पूरी तरह गैर राजनीतिक रहेगा। इसमें किसी को प्रधान नहीं बनाया गया है, बल्कि सामूहिक प्रयासों से मंच की गतिविधियां संचालित की जाएंगी। मंच से जुड़ी महिला शक्ति उमा शर्मा, सावित्री देवी, इंदु गौड़ और ज्योति सैनी ने संयुक्त रूप से बताया कि कॉलोनी के निवासियों को एकजुट करने के उद्देश्य से हर रविवार शाम हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के अलग-अलग स्थानों पर नियमित रूप से कीर्तन सभा की जाएगी। उनका कहना है कि इसके माध्यम से कॉलोनी के लोग भक्ति भाव के साथ एक-दूसरे से जुड़ेंगे और आपसी एकता को मजबूत किया जा सकेगा। मंच के प्रमुख सहयोगी डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. राजेंद्र कुमार, बीरेंद्र सिंह, रोहतास गोयल, श्रीराम दहिया और लाजपत ने बताया कि कॉलोनी में बिजली, पानी, सड़क सहित अन्य समस्याओं को लेकर साप्ताहिक चर्चा की जाएगी। समस्याओं को चिन्हित करने के बाद कॉलोनी के निवासी सामूहिक रूप से प्रशासन के समक्ष अपनी मांग रखेंगे, ताकि उनका समाधान कराया जा सके।



नारनौल। हाउसिंग बोर्ड में मीटिंग में भाग लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

विधायक ओमप्रकाश यादव को सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

तबादला नीति में पद ब्लॉक करने के विरोध में कर्मचारियों का प्रदर्शन

- बोले, सभी स्वीकृत पद खोले सरकार, मांग पूरी नहीं हुई तो 7 अक्टूबर से क्रमिक अनशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

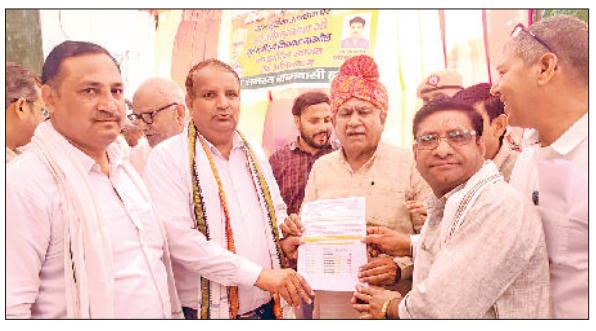

नारनौल। विधायक ओमप्रकाश यादव को ज्ञापन सौंपते स्वास्थ्य कर्मचारी।

तबादला नीति के तहत जिले के सैकड़ों स्वीकृत पदों को कैप किए जाने के विरोध में बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन हरियाणा ने मोर्चा खोल दिया है। एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने नारनौल विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर सभी स्वीकृत पदों को खोलने की मांग की। कर्मचारियों ने विधायक से ज्ञापन मुख्यमंत्री तक सिफारिश सहित भिजवाने का आग्रह किया। एसोसिएशन के राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश चौहान, जिला उपप्रधान विजय जोरासी और स्वास्थ्य निरीक्षक धर्मेंद्र यादव ने बताया कि एसोसिएशन की राज्य स्तरीय बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार पदों को कैप किए जाने के विरोध में यह ज्ञापन सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि तबादला नीति में जारी रिक्त पदों की सूची में महेंद्रगढ़ जिले के सैकड़ों पदों को ब्लॉक किया गया है। इससे जिले में कार्यरत कर्मचारियों को प्रदेश के अन्य जिलों में भेजे जाने की स्थिति बन रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह फैसला आमजन की स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित कर सकता है। जिले के लोगों को भी पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं की उतनी ही आवश्यकता है, जितनी प्रदेश के अन्य जिलों के नागरिकों को है। ऐसे में कर्मचारियों के पद कम करने या उन्हें दूसरे जिलों में भेजने के बजाय स्वास्थ्य विभाग के ढांचे को और मजबूत किया जाना चाहिए।

29 सितंबर को भी किया था प्रदर्शन

एसोसिएशन पदों को कैप किए जाने के विरोध में 29 सितंबर को महानिदेशक कार्यालय के समक्ष सांकेतिक रोष प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंप चुकी है। उस दौरान अधिकारियों के साथ हुई वार्ता में एसोसिएशन की आपत्तियों का समाधान करने, कैप किए गए पदों को खोलने और तबादला नीति में मौजूद त्रुटियों को दूर करने का आश्वासन दिया गया था।

मांगों को लेकर संघर्ष रहेगा जारी

राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश चौहान ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने स्वीकृत पदों को खोलने के संबंध में जल्द कोई कार्रवाई नहीं की तो सात अक्टूबर से महानिदेशक कार्यालय के समक्ष क्रमिक अनशन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन कर्मचारियों के हितों के साथ-साथ प्रदेश की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की मांग को लेकर संघर्ष जारी रखेगी।

रेल यात्रियों की मांग का असर: भावनगर-शकूरबस्ती ट्रेन के बढ़ाए सात फेरे

- नारनौल-अटेली के रेल यात्रियों को बड़ी राहत, अब रोजाना चलाने की उठी मांग
- 16 अक्टूबर से 28 नवंबर तक चलेगी ट्रेन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल



नारनौल। रेलवे स्टेशन। फोटो : हरिभूमि

नारनौल-अटेली रेलमार्ग पर यात्रियों की सुविधा को लेकर दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच की ओर से लगातार उठाई जा रही मांग का असर दिखाई दिया है। पश्चिम रेलवे ने ट्रेन नंबर 09257/09258 भावनगर टर्मिनस-शकूरबस्ती साप्ताहिक स्पेशल के संचालन को आगे बढ़ाते हुए इसके सात अतिरिक्त फेरे चलाने का निर्णय लिया है। रेलवे के इस निर्णय से नारनौल, अटेली, रेवाड़ी सहित इस रेलमार्ग से जुड़े अन्य स्टेशनों के यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। रेलवे के अनुसार ट्रेन नंबर 09257 भावनगर टर्मिनस-शकूरबस्ती प्रत्येक शुक्रवार को 16 अक्टूबर से 27 नवंबर तक संचालित होगी। वहीं वापसी में ट्रेन नंबर 09258 शकूरबस्ती-भावनगर टर्मिनस प्रत्येक शनिवार को 17 अक्टूबर से 28 नवंबर तक चलेगी।

नियमित चलाने की मांग

दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच नारनौल के अध्यक्ष अशोक कटारिया ने ट्रेन के सात अतिरिक्त फेरे बढ़ाने के निर्णय पर रेलवे बोर्ड और रेल मंत्रालय का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा और क्षेत्र में रेल सेवाओं के विस्तार को लेकर मंच लगातार प्रयासरत है। रेलवे से मांग की कि नारनौल, अटेली, रेवाड़ी तथा आसपास के क्षेत्रों में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ट्रेन नंबर 09257/09258 को स्थायी रूप से नियमित नंबर के साथ प्रतिदिन चलाया जाए। उन्होंने कहा कि यदि इस ट्रेन का संचालन नियमित किया जाता है, तो दिल्ली, राजस्थान और गुजरात की ओर आने-जाने वाले यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। साथ ही इस रेलमार्ग के प्रमुख स्टेशनों पर यात्री आवागमन बढ़ने से क्षेत्र को भी इसका लाभ मिलेगा।

पेट जितना भी भरा रहे, आशा कभी नहीं भरती। वह जीवों को कोई-न-कोई अप्राप्य, कुछ नहीं तो केवल रंगों की माया का इंद्रधनुष प्राप्त करने के मायावी दलदल में फँसा ही देती है।

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

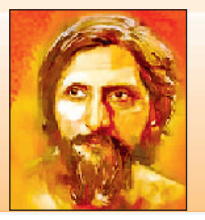

उसने अपनी आवाज़ दबने नहीं दी थी। यही आशंका तो आज उनके मन भी उठी! कहीं उसकी बेटी भी ठगी न जाए! दिनेश के परिवार ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। इसे वे विषपान की तरह गले से नीचे उतार गई। कई तरह का अपमान सहने की प्रक्रिया में एक दिन उन्हें पता चला कि दिनेश पूर्व विवाहित है। अपनी सफाई में दिनेश ने बहुत कुछ कहा था।





कहानी

अशोक जैन

दूसरे छोर पर

मौसम में ठंडक बढ़ने लगी है। दूर-दूर तक खामोशी है। लगता है कि उदासी सशरीर शाम के रूप में आकर फैल गई है। बरामदे में आराम कुर्सी पर अधलेटी सी मिसेज खन्ना मानसिक तपिश से अकुला रही है। दूर, बहुत ऊंचे तारों की ओढ़नी का चमकीलापन समेटे आकाश की ओर देखती उनकी आंखें, उनके होंठ आज इस तरह मौन हैं, जिनमें शाम की उदासी का आभास होता है, परंतु मन में खौलता बवंडर अब शांत हो चला है। कामवाली बाई दूसरी बार चाय लाई। 'मेम साहब, चाय लीजिए। दूसरी बार लाई हूं।' उसके स्वर में बेचारगी स्पष्ट है। 'ना, काकी। चाय नहीं चाहिए। बड़ी तपिश लग रही है।'

एक हल्की दर्द भरी मुस्कान उनके होंठों पर उभरी। 'तो कुछ ठंडा बना दूं क्या?' उसने फिर पूछा। 'नहीं, रहने दो।' नौकरानी ने अचकचा कर उनकी ओर देखा। फिर मन ही मन कुछ बुदबुदाते हुए लौट गई। वे आज किस गहन चिंता में हैं, कोई नहीं समझ सका। समझे भी कौन? नौकरानी, रामू कौन है जो उनके व्यक्तित्व को पढ़ सके। हां, पास मेज पर पड़ा वह अधखुला पत्र उनकी समस्त चेतना को जकड़े हुए है। मिसेज खन्ना का हाथ अचानक अपने माथे पर जा टिका। हल्की सिकुड़न से भरा माथा और दो-चार चांदी से सफ़ेद बाल, जो सहसा ही अंगुलियों को छू गये। आज आंसू भी उमड़ते हैं तो जैसे बीच में ही कोई उन्हें मोती सा चुग लेता है। जीवन का एक-एक पृष्ठ खुलता है और पहलू बदलती वे मिसेज खन्ना, सुविधा की मां नहीं, आज बस मधु बन गई है। शून्यता और अकेलेपन से भरते मन को धीरे कांपते हाथों का स्पर्श देती उनकी आंखें फूट पड़ने को हो गईं, पर अपने को संयत करते हुए वे सोचने लगी हैं: अब तो सब कुछ समाप्त हो गया --। किसके लिए रोये? क्यों रोये? दर्द से भीगे ठंडे उच्छवास हवा में वाष्प बन कर उड़ने लगे.....सुविधा ने पत्र में लिखा है: 'मम्मी! बीते महीने से ही यथा समय मैं तुम्हें पत्र नहीं लिख सकी। बाईगाड, बहुत व्यस्त रही। वो जो हमारे साथ सूरज था न, इसी सप्ताह विदेश जा रहा है। हम दोनों काफी समय से लिव इन में थे। अच्छी तरह जानते हैं एक-दूसरे को! इतने बड़े महानगर में सहारे को कोई तो चाहिए था न- बस!! वैसे भी वह हमारे मेडिकल कॉलेज का हीरो है, ममा। उसकी जिद थी कि विदेश जाने से पहले हम शादी कर लें। इतनी जल्दी में हो भी क्या सकता था! हमने कोर्ट मैरिज कर ली है। मम्मी! डोंट माइंड प्लीज। छोड़ो इन झूठे रीति-रिवाजों को। हां, यदि तुम्हारी बड़ी इच्छा होगी तो उसके लौट आने पर फेरे भी लगवा लेना। क्यों ठीक है न ममा? कालेज बंद होगा और मैं शीघ्र ही घर के लिए चल दूंगी। सूरज को हमने सीआफ कर दिया है।'

मिसेज खन्ना के मन में पत्र की पंक्तियां पानी में डोलते दियों सी झिलमिलाती हैं और उनकी कांपती लौ में मन जैसे आगे कुछ पढ़ ही नहीं पाता ! उनकी बेटी ने विवाह कर लिया! सूचना भी भेज दी है!!! मन में दबी कुंठा उभर आई। क्यों नहीं!! उनके विगत जीवन के इतिहास को भी निर्ममता से कुरेद दिया है। बस एक पत्र ने-- मन अपने धुंधलाते से अतीत में भटक गया है... वे भी अपने मां-बाप की इकलौती संतान थी। दिनेश से जब उन्होंने विवाह किया था, तब उनकी परिस्थिति में इतना भर ही तो अंतर था कि मां-बाप ने दबी जुबान से सहमति दिखलाई : 'बेटा, तुम पढ़ी-लिखी हो, समझदार हो अपना अच्छा बुरा समझती हो। पर- 'पर क्या मां? मैं भी तो अपना भला सोच सकती हूं न!'

उसने अपनी आवाज़ दबने नहीं दी थी। यही आशंका तो आज उनके मन भी उठी! कहीं उसकी बेटी भी ठगी न जाए! दिनेश के परिवार ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। इसे वे विषपान की तरह गले से नीचे उतार गई। कई तरह का अपमान सहने की प्रक्रिया में एक दिन उन्हें पता चला कि दिनेश पूर्व विवाहित है। अपनी सफाई में दिनेश ने बहुत कुछ कहा था। 'मधु, वह रिश्ता तो कहने भर को ही था। मन और शरीर तो उससे अबंधा और अछूता ही रहा--' 'इतना बड़ा अविश्वास! मुझे पहले क्यों नहीं बताया?' वह लगभग चीख पड़ी थी। वह चुप हो गया था और दोनों ने अपने रास्ते अलग-अलग कर लिए थे। तब सुविधा नन्हीं सी ही थी। मन की शून्यता के रहते उन्होंने सुविधा को अमिट दुलार देकर पाला-पोसा था। अपना सर्वस्व उन्होंने अपनी सुविधा पर ही केंद्रित कर दिया था। जीवन की हारी बाज़ी को मानो विजय में बदल डालना चाहती थी। दिनेश ने कई बार सुलह की कोशिश की, पर उस छलाव में वे दोबारा नहीं पड़ना चाहती थी। उनकी सुविधा बड़ी हो रही थी। कितनी रातें चिंताओं में कट जाती थीं। अपना क्या है, पर सुविधा को कोई दुःख न हो। अपनी बेटी में ही वह अपने आप को देखती थी-किंतु वे ठिठकीं : भूल कहां हो गई, वे समझ नहीं पा रही थीं। उन्होंने शायद अति आदर्श के पीछे ही तो नहीं अपने को खो दिया है, यानि इस बार फिर वो छली गई। मन का पोर-पोर जैसे व्यथा से भर उठा, किंतु अब वे बिखरेंगी तो फिर अपने को सहेज भी न सकेंगी। चेहरे पर विषाद फैलता जा रहा था। मन के कोने हल्के दर्द से पीड़ित होकर सिसकने लगे थे। जब सुविधा नन्हीं सी थी, तब कैसी बातें किया करती थी। और फिर उम्र के विकास के साथ-साथ वयस्क और गंभीर होती सुविधा -- यादें क्रमवार उमड़ने लगी थीं: कितनी संयत, कितनी धीर! कभी-कभी उसके गांभीर्य से वे घबरा उठतीं। वे चाहती थीं कि वह खूब चहके ताकि उनका रंगहीन जीवन मूकता की निस्पंदता से न सोया रहे। सुविधा की हंसी की खातिर वे बार-बार हंसती थीं और आज वही सुविधा -!! वह सोचते-सोचते क्षण भर को ठहरी! अपने भाग्य की विडंबना को याद कर मन तल्खी से भर उठा। कहीं सुविधा को भी उन लोगों ने न अपनाया तो! उस अभागिन के साथ तो उसकी बदनसीब मां का इतिहास भी है, पर सुविधा तो बड़े विश्वास से कहती है:' सूरज के पिता उसे बेटी की तरह दुलराते हैं।' सहसा बेटी का मोह भरा रूप, उसकी कोमल कामना जैसे उसके मन में भी झांक उठी और मन ममता से भीग उठा।

तभी घरघराती हुई मेट्रो ट्रेन से उनकी तंद्रा भंग हुई। उसने अपने आप को समेटा। वे झट से उठकर खड़ी हुई। अपने आपको व्यवस्थित किया। हरदम की तरह एक मुस्कान उनके होंठों पर खेल गई। उनके हाथ कुर्सी का हत्था छोड़कर आशीर्वाद देने की मुद्रा में हिले और मानो हर तरह से अपने को प्रस्तुत कर लिया था सुविधा के स्वागत के लिए। वातावरण में हल्की सी चांदनी फैल चुकी थी। झटके से उठने पर कुर्सी देर तक हिलती रही। बादलों का एक गुच्छा पश्चिम से उभरने लगा था, शायद बारिश भी हो। देर तक उसे देखते हुए वे अंदर की ओर बढ़ गई। कमरे में पहुंच कर उन्होंने आवाज लगाई: 'काकी, जरा एक कप चाय दे जाना।'

वे झट से उठकर खड़ी हुई। अपने आपको व्यवस्थित किया। हरदम की तरह एक मुस्कान उनके होंठों पर खेल गई। उनके हाथ कुर्सी का हत्था छोड़कर आशीर्वाद देने की मुद्रा में हिले और मानो हर तरह से अपने को प्रस्तुत कर लिया था

लघुकथा

इंतजार

मनहरी पिछले तीन दिन से खटिया पर पड़ी है। हाथ-पैर ऐंठने लगे हैं। उम्र नब्बे के पार होने को आई। परलोक गमन का समय आ पहुंचा था। पति तो कई वर्ष पहले ही भगवान को प्यारे हुए। एक बेटा और एक बेटी, बुढ़ापे का यही सहारा हैं। बेटा दिल्ली में सरकारी अफसर है। उसकी बहू भी वहीं किसी स्कूल में टीचर है। उन्हें मां का हाल-चाल जानने का वक्त ही कहां मिला, बुढ़ापे में कैसे वह चूल्हा जलाती है, कैसे रहती है और कैसे खाती-पीती है ?..हाँ, बेटी जरूर ससुराल से आती-जाती रही। मां का हाल जानने की चिंता और मां के प्रति उसकी सहानुभूति सदैव रही। दामाद भी उसके साथ दस-बीस रोज में आते-जाते रहे। घर में नाती-नातिन खूब धमा-चौकड़ी मचाते हैं। उनके कारण मनहरी का मन लगा रहता था। पति की यादें मनहरी के साथ हमेशा से रही। इस उम्र में उनकी यादों के सहारे वह जीती रही। जोड़-तोड़कर सब तो बेटे पर लगा दिया था। उसे पढ़ाया-लिखाया, नौकरी लगाया और दिल्ली में मकान भी बनवा दिया। कहता था- सब वहीं रहा करेंगे। लेकिन बाद में कहने लगा, शहर में बसेरा मुश्किल है, हमारा गुजर भी ठीक से नहीं हो पाता। उम्र बीत गई...अब किसी से क्या शिकवा-शिकायत, उसकी वो जाने?..गांव का घर भी तो खाली नहीं छोड़ा जा सकता था।



डॉ. सुरेश वशिष्ठ

शायद इसी से पिछले कुछ वर्षों में मनहरी को पति की बहुत याद आती रही। घर के निर्जन कोने में खटिया पर पड़ी वह उनका स्मरण करने लगती थी।...कितना प्रेम था उन्हें मनहरी से, खांसी भी आती तो बेचैन हो उठते। गांव के दवाघर से तुरन्त दवा लेने दौड़ पड़ते। घर के काम में भी हाथ बंटाते। अब इस उम्र में कैसे भी काम-धाम निबटा ही लेती। ललिता जब भी आती, झाड़-बुहारकर घर को साफ-सुथरा संवार देती। हर चीज को करीने से जगह पर रखती। मां के खाने-पीने, सेवा-सुश्रुषा का ध्यान रखती। दामाद भी जब तक रहते, किसी ना किसी काम को संवारने में ही लगे रहते। बुढ़ापे में जो पेंशन मिलती रही, उसी में गुजर होता रहा। छोटी नातिन से नानी को बहुत लाड है। वह नानी से खूब बातें करती और नानी की गोद में ही सिमटी रहती।

मनहरी का मन विभोर होने लगता। बेटा मनोज तो महीनों में घर आता था। घर आने पर हमेशा उसे वापस जाने की जल्दी लगी रहती थी। कभी अकेला तो कभी पत्नी को साथ लिए। पोते-पोती तो बहुत कम गांव में आते थे। उन्हें तो पढ़ाई से फुर्सत ही नहीं। दादी से मोह भी नहीं। पैदा भी दिल्ली में हुए और गांव में आना-जाना कम ही रहा। बहू हाल-चाल तो पड़ोसी के फोन पर भी जान लेती थी, लेकिन बुढ़ापे की प्रीत को वह कभी नहीं समझ पाई। मनहरी हमेशा उस प्रीत की जरूरत में कुढ़ती रही। ललिता मां के उलझे बालों को संवारती, पैरों में मालिश करती, कपड़े बदलती, नहलाती-धुलाती और सलीके से सब काम निबटा लेती। मनोज की बहू इन कामों से दूर ही रहती रही। मां की तबीयत को सुनकर बेटा और बहू आ तो गए, लेकिन उन्हें वापस जाने की बेचैनी बहुत थी। इंद्र काका मनहरी का हाल जानने दिन में कई बार आते। ललिता से सब पूछते और कुछ काम रहता तो करते भी।

ललिता तो खटिया से दूर जाती ही नहीं थी। बीच-बीच में आंसू बहाने लगती और मां की यादों में गुम रहती। बेटा उसे डांट देता, कहता - 'रोती क्यूं है, अब मां को तो जाना ही है। मां तो फिर भी नब्बे पार कर गई, लोग तो सत्तर-अस्सी भी नहीं पकड़ पाते। रो-धोकर हमारा भी मन मैला न कर! रोने का कोई मतलब नहीं।...हमें देख, ड्यूटी छोडकर यहां बैठे हैं। वहां जवान लड़की को पड़ोसियों के भरोसे छोड़कर आए हैं। वे हर दिन हमारी राह तकते हैं। अम्मा का भरोसा क्या, जाने को अभी चली जाएं, ना जाएं तो दस दिन बिता दें ! हम तो ऑफिस छोड़कर आ ही गए। इंतजार भी बहुत हुआ...सोचा था, अंतेष्ठी और तेरहवीं जल्दी निपटाकर लौट जाऊँगा लेकिन उनकी सांस है कि छूटती ही नहीं। राम भला करे...उम्र हो गई। आगे कष्ट ही बढेगा।' बेटी दर्द में तड़प उठती, कहती कुछ नहीं। मनहरी की सांसें अटकी ही रही। इंतजार कर बेटा-बहू लौट गए। ललिता वहीं रही। उसने मां की सेवा में दिन-रात एक कर दिया। आठवें दिन मनहरी ने आंखें खोली। बेटी खुश हुई। धीरे से उसने कहा-' भाई कहाँ है?' बेटी बोली- 'वह तो चला गया। कल तक यहीं था, भाभी भी यहीं थी।'

मनहरी की आंखों से आंसू टपक पड़े। धीरे से उसने कहा- 'गंगाजल डाल दे।' ललिता रोती हुई गंगाजल लेकर आई। माँ के मुख में कुछ बूंदें डाली और प्राण हवा हो गए। बेटी पहले तो कुछ समझ न सकी और फिर पछाड़ खाकर गिर पड़ी। इंद्र काका ने मनहरी की आंखों पर हाथ रखा और पलकें मूंद दी गई। नातिन भी रो-कर नानी की गोद में सिमट गई। दामाद दूर खड़ा आंसू बहाता रहा। इंद्र काका माथे पर हाथ रखकर बैठ गए। बेटे को इतला दे दी गई और उसका इंतजार होने लगा।

कवि कॉर्नर

कविता | सुधीर ढांडा कौल



दिल की बात

बचपन मे हम भी उड़ाते थे पतंग,
उड़ाते उड़ाते हो जाती थी रात ,
छत पर बैठे बैठे करते रहते थे
हम अपनी पतंग से दिल की बात।

दूसरों की पतंग काटने का हमे
बहुत चाव था,और काट ही लेते थे,
जब कट जाती थी पतंग हमारी
झट छत से कूदकर भाग लेते थे।

दूसरों की पतंग काटने पर खुशी ,
अपनी कटने पर दर्द होता था,
वो बचपन भी क्या खूब था,
कभी दिल हँसता, कभी रोता था।

जब कभी देखते हैं उड़ती हुई पतंग
तो बचपन याद आता है,
थमता नही ये वक्त, कटी पतंग की तरह
दूर निकल जाता है।

दूसरों की पतंग काटने में उस वक्त
'सुधीर, माहिर हुआ करता था,
उस वक्त मेरी पतंगबाजी का किस्सा जग
जाहिर हुआ करता था।

कविता | सपना



बचपन

वो माँ का प्यार,पापा की परवाह
वो दुलार बचपन का,बहुत याद आता है ।

जब कट्टी बट्टी से दोस्ती निभती थी
जब तकरार सिर्फ़ चुटकी भर की थी
वो रिश्ते बचपन के,बहुत याद आते हैं ।

वो हँसना बेवजह,रोना बेझिझक
वो रूठना मनाना दोस्तों का, बहुत याद आता है ।

जब घाव सिर्फ़ घुटने पर थे
जब जीत हार दो पल की थी
वो खेल बचपन के,बहुत याद आते हैं ।

वो घंटी स्कूल की, बस्ता और स्लेट
वो छुट्टियों में नानी का घर,बहुत याद आता है ।

जब सपनें नींद नहीं उड़ाते थे
जब हम सारी खुशियाँ ख़रीद लाते थे वो
सुकून नासमझ होने का,बहुत याद आता है ।

वो महल मिट्टी के,कश्ती काग़ज की
वो बारिशें बचपन की,बहुत याद आती हैं ।

जो गली पहचानती है आहट मेरी
जिस घर में गूँजती है आवाज मेरी
वो आसमाँ मेरे शहर का ,बहुत याद आता है ।

न कल की फ़िक्र,न आज का बोझ
वो पहला पन्ना जीवन का,बहुत याद आता है ।

कवि सम्मेलन का प्रतिभागिता सम्मान



व्यंग्य | कृष्ण गोपाल विद्यार्थी



कवि सम्मेलन का पंडाल अभी पूरी तरह खाली भी नहीं हुआ था, कुर्सियों पर चाय के खाली कुल्हड़ और समोसे के चिकने कागज़ हवा में उड़ ही रहे थे कि महाकवि 'व्यथित' जी ने मंच के कोने में जाकर अपनी जेब टटोली। कविता तो खैर उन्होंने ऐसी पढ़ी थी कि सामने बैठे कुल तेरह श्रोताओं में से सात नींद में चले गए थे, पांच अपने फोन पर रील्स देख रहे थे और एक आयोजक का साला था, जिसे हॉल की चाबी जमा करानी थी। किंतु महाकवि के चेहरे पर जो चमक थी, वह किसी ऑस्कर विजेता जैसी थी। हाथ में था सौ रुपये के लैमिनेशन में मढ़ा हुआ रंग-बिरंगा गत्ते का टुकड़ा, जिस पर सुनहरे अक्षरों में अंकित था-'काव्य-शिरोमणि प्रतिभागिता सम्मान'।

कवि सम्मेलन भले ही शाम सात से आठ चला हो, लेकिन असली काव्य-कर्म तो रात नौ बजे शुरू होना था। ऑटो में बैठते ही व्यथित जी ने सबसे पहले उस प्रमाण पत्र की ऐसी तस्वीर खींची, जिसमें उनके चेहरे की शिकन कम और आयोजक संस्था का नाम साफ़ दिखे। इसके बाद शुरू हुआ आधुनिक साहित्य का सबसे कठिन और अनिवार्य अनुष्ठान-'फेसबुकिया कृतज्ञता ज्ञापन'। कैप्शन गढ़ा गया, जिसमें विनम्रता की चाशनी में डूबा हुआ आत्म-प्रचार उफान मार रहा था:"आज 'अंतरराष्ट्रीय साहित्य संगम' गुप्ता जी के बेसमेंट में आयोजित विराट अखिल भारतीय काव्य निशा में देश के मूर्धन्य विद्वानों के सम्मुख अपनी तुच्छ रचनाएँ प्रस्तुत करने का पावन सुअवसर प्राप्त हुआ। अपार जनसमूह की तालियों की अनवरत गड़गड़ाहट और साहित्य-प्रेमियों के इस अगाध स्नेह से अभिभूत हूँ। इस अद्वितीय, ऐतिहासिक और अविस्मरणीय सम्मान हेतु अग्रज संयोजक श्री चुन्नीलाल जी का कोटिशः धन्यवाद एवं हार्दिक आभार! आपका यह ऋण जीवन भर नहीं चुका सकूँगा।" संयोजक चुन्नीलाल जी, जो हॉल का किराया बचाने के लिए बिजली का मेन स्विच पहले ही गिरा चुके थे, ने नोटिफिकेशन देखते ही तुरंत कमेंट दागा- "भाई व्यथित जी, आपकी कालजयी पंक्तियों ने आज पूरे ब्रह्मांड को हिला कर रख दिया। आप सरस्वती के वरदपुत्र हैं।" हकीकत यह थी कि उस हॉल में अगर कोई हिला था, तो वह पंखे का टूटा हुआ ब्लेड था, लेकिन साहित्य का यह अलिखित नियम है: 'तुम मेरी पीठ सहलाओ, मैं तुम्हारी जांघ पर तमगा टांगूँगा।' आधुनिक काव्य-जगत में अब कविता की उम्र उतनी ही रह गई है जितनी देर में प्रमाण पत्र की फोटो अपलोड होकर पचास 'लाइक' न बटोर ले। श्रोता भले ही नदारद हों, पंक्तियों में चाहे तुक का अकाल और भाव का सूखा पड़ा हो, मगर जब तक टाइमलाइन पर नीले फ्रेम वाला वह कागज नहीं चमकता, तब तक रचनाकार की आत्मा तृप्त नहीं होती। उस गत्ते के टुकड़े की कीमत यह है कि उसके लिए कवि अपनी कार का पेट्रोल फूंकता है, संयोजक के हर लतीफे पर ज़बरदस्ती अट्टहास करता है और फिर घर लौटकर दुनिया को यह विश्वास दिलाने में जुट जाता है कि कबीर और तुलसी के बाद अगर कोई बचा है, तो बस वही है- हाथ में प्रमाण पत्र थामे, कैमरे की ओर तिरछी मुस्कान फेंकता हुआ!

श्रोता भले ही नदारद हों, पंक्तियों में चाहे तुक का अकाल और भाव का सूखा पड़ा हो, मगर जब तक टाइमलाइन पर नीले फ्रेम वाला वह कागज नहीं चमकता, तब तक रचनाकार की आत्मा तृप्त नहीं होती।

कुछ हटकर

बीएएमएस : हेल्थकेयर सेक्टर में बनाएं मजबूत पहचान



डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

हेल्थकेयर सेक्टर के विस्तार के साथ आयुर्वेद और ट्रेडिशनल सिस्टम्स ऑफ मेडिसिन में भी करियर के अवसर बढ़ रहे हैं। बीएएमएस ऐसा अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम है, जिसमें आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के साथ मॉडर्न मेडिकल साइंसेज की बेसिक नॉलेज भी दी जाती है। यह कोर्स क्लिनिकल प्रैक्टिस, रिसर्च, वेलनेस, फार्मास्यूटिकल्स और गवर्नमेंट सर्विसेज जैसे क्षेत्रों में करियर के रास्ते खोल सकता है।बीएएमएस में विद्यार्थियों को मानव शरीर की संरचना एवं कार्यप्रणाली, रोगों की पहचान, आयुर्वेदिक डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट की जानकारी दी जाती है। प्रमुख विषयों में रचना शरीर, क्रिया शरीर, पदार्थ विज्ञान, द्रव्यगुण विज्ञान, रसशास्त्र एंड भैषज्य कल्पना, रोग निदान, कायचिकित्सा, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, प्रसूति एंड स्त्री रोग तथा कौमारभृत्य शामिल हैं। क्लिनिकल ट्रेनिंग और इंटर्नशिप भी कोर्स का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

प्रमुख विषय

बीएएमएस के बाद स्टूडेंट्स अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता विकसित कर सकते हैं। इनमें कायचिकित्सा, पंचकर्म, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, प्रसूति एवं स्त्री रोग, कौमारभृत्य, द्रव्यगुण तथा स्वस्थवृत्त एवं योग प्रमुख हैं। आज केवल डिग्री ही पर्याप्त नहीं है। बीएएमएस स्टूडेंट्स को कम्युनिकेशन, पेशेंट काउंसलिंग, डॉक्यूमेंटेशन, डिजिटल लिटरेसी, इंटरपर्सनल स्किल्स और रिसर्च स्किल्स पर भी ध्यान देना चाहिए। पेशेंट को सरल भाषा में ट्रीटमेंट समझाना और हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी का बेसिक ज्ञान रखना प्रोफेशनल ग्रोथ में मदद कर सकता है।



प्रमुख करियर रोल्स

- आयुर्वेदिक फिजिशियन
- मेडिकल ऑफिसर
- क्लिनिकल कंसल्टेंट
- पंचकर्म कंसल्टेंट
- वेलनेस कंसल्टेंट
- रिसर्च एसोसिएट
- हेल्थकेयर मैनेजमेंट प्रोफेशनल

हायर स्टडीज के विकल्प

सबीएएमएस के बाद स्टूडेंट्स एमडी, एमएस पीजी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट प्रोग्राम्स और पीएचडी जैसे हायर स्टडीज ऑप्शंस चुन सकते हैं। हेल्थकेयर मैनेजमेंट, पब्लिक हेल्थ, योग, न्यूट्रिशन और वेलनेस जैसे इंटरडिसिप्लिनरी क्षेत्रों में अतिरिक्त क्वालिफिकेशन भी उपयोगी हो सकती है।

एंटरप्रेन्योरशिप और सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट

सरकारी बीएएमएस ग्रेजुएट्स अनुभव और आवश्यक नियमों का पालन करते हुए आयुर्वेदिक क्लीनिक, पंचकर्म सेंटर, वेलनेस सेंटर या हेल्थकेयर कंसल्टेंसी शुरू कर सकते हैं। आयुर्वेदिक मेडिसिन्स, हर्बल प्रोडक्ट्स और वेलनेस सर्विसेज से जुड़े बिजनेस भी संभावित विकल्प हैं।

- बीएएमएस के बाद इनकम

बीएएमएस के बाद इनकम क्वालिफिकेशन, एक्सपीरियंस, लोकेशन, जॉब प्रोफाइल, क्लिनिकल एक्सपर्टाइज और प्रैक्टिस मॉडल पर निर्भर करती है। गवर्नमेंट जॉब में पे स्ट्रक्चर संबंधित सरकारी नियमों के अनुसार होता है, जबकि प्राइवेट प्रैक्टिस और बिजनेस में इनकम पेशेंट बेस, सर्विसेज और बिजनेस स्केल से प्रभावित हो सकती है। बीएएमएस उन स्टूडेंट्स के लिए उपयोगी करियर विकल्प हो सकता है, जिनकी रुचि आयुर्वेद, हेल्थकेयर, पेशेंट केयर और वेलनेस में है।

मोटिवेशनल

सही समय का इंतज़ार नहीं, शुरुआत ज़रूरी



विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

जीवन में आगे बढ़ने की इच्छा लगभग हर व्यक्ति के भीतर होती है। कोई प्रतियोगी परीक्षा में सफलता चाहता है, कोई व्यवसाय शुरू करना चाहता है, कोई किताब लिखना चाहता है, कोई नई भाषा सीखना चाहता है तो कोई अपने जीवन की दिशा बदलना चाहता है। सपने अलग हो सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरा करने के रास्ते में एक समान बाधा अक्सर दिखाई देती है, सही समय का इंतज़ार।हम अक्सर खुद से कहते हैं कि जब परिस्थितियां बेहतर होंगी, समय अधिक मिलेगा, आर्थिक स्थिति सुधरेगी, आत्मविश्वास बढ़ेगा या परिवार और समाज का पूरा सहयोग मिलेगा, तब शुरुआत करेंगे। लेकिन जीवन का अनुभव बताता है कि आदर्श परिस्थितियां हमेशा इंतज़ार नहीं करतीं। कई बार परिस्थितियां शुरुआत के बाद ही बदलती हैं।दरअसल, शुरुआत शायद ही कभी पूरी तैयारी के साथ होती है। जो विद्यार्थी पहली बार मंच पर खड़ा होता है, वह अनुभवी वक्ता नहीं होता। जो युवा पहली बार प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी शुरू करता है, उसके पास शुरुआत में पूरी रणनीति नहीं होती। जो व्यक्ति पहली बार लेख लिखता है, उसकी भाषा में पूर्णता नहीं होती। लेकिन हर विशेषज्ञ कभी न कभी शुरुआती व्यक्ति रहा है।पहला कदम छोटा हो सकता है, लेकिन उसका महत्व छोटा नहीं होता।अक्सर लक्ष्य की दूरी हमें पहला कदम उठाने से रोकती है। हम यह भूल जाते हैं कि लंबी यात्राएं भी छोटे-छोटे कदमों से ही पूरी होती हैं। प्रतिदिन केवल एक घंटा किसी नई चीज को सीखने में लगाना शायद एक दिन में कोई बड़ा परिवर्तन न दिखाए, लेकिन छह महीने या एक वर्ष की निरंतरता उसी एक घंटे को एक बड़ी उपलब्धि में बदल सकती है।समस्या हमेशा समय या संसाधनों की कमी नहीं होती। कई बार समस्या उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल शुरू न करना होती है।आज सीखने के साधन पहले से कहीं अधिक उपलब्ध हैं। "कल से शुरू करूंगा" जीवन के सबसे महंगे वाक्यों में से एक हो सकता है।क्योंकि कल आता है तो आज बन जाता है और फिर वही आज अगले कल में बदल जाता है।इस चक्र को तोड़ने का एक ही तरीका है, बड़े लक्ष्य को छोटे काम में बदल देना। किताब लिखनी है तो पहला पृष्ठ लिखिए। परीक्षा की तैयारी करनी है तो पहला अध्याय पढ़िए। स्वास्थ्य बेहतर करना है तो आज कुछ कदम अधिक चलिए।

ग़ज़ल

बहुत पहले से उन क़दमों की चोट जान लेते हैं

बहुत पहले से उन क़दमों की चोट जान लेते हैं
तुझे ऐ जिंदगी हम दूर से पहचान लेते हैं

मिरी नजरें भी ऐसे कातिलों का जान ओ ईमान है
निगाहें मिलती ही जो जान और ईमान लेते हैं

जिसे कहती है दुनिया कामयाबी वाए नादानी
उसे किन कीमतों पर कामयाब इनसान लेते हैं

निगाह-ए-बादा-गुन यूं तो तीरी बातों का क्या कहना
तीरी हर बात लेकिन एहतियातन छान लेते हैं

तबीयत अपनी घबराती है जब सुनसान रातों में
हम ऐसे में तेरी यादों की चादर तान लेते हैं

खुद अपना फैसला भी इश्क में काफी नहीं होता
उसे भी कैसे कर गुजरें जो दिल में ठान लेते हैं

हयात-ए-इश्क का इक इक नफस जाम-ए-शहादत है
वो जान-ए-नाज-बरदारन कोई आसान लेते हैं

तुझे घाटा न होने देंगे कारोबार-ए-उल्फत में
हम अपने सार तीरा ऐ दोस्त हर एहसान लेते हैं

'फ़िराक़' अक्सर बदल कर भेस मिलता है कोई काफ़िर
कभी हम जान लेते हैं कभी पहचान लेते हैं



फ़िराक़ गोरखपुरी
शायर

कथा के पंचम दिवस पर उमड़ी भक्तों की भीड़

माखन चोरी और गोवर्धन पूजा की झांकी ने मोहा मन, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

दुलोठ जाट में कृष्ण जन्म की कथा में सुनाया बाल लीलाओं का प्रसंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

गांव दुलोठ जाट में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस भगवान श्रीकृष्ण के जन्म, बाल लीलाओं, पूतना उद्धार, माखन चोरी और गोवर्धन धारण की कथा का श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से श्रवण किया। कथा के दौरान श्रीकृष्ण जन्म की मनोहारी झांकी प्रस्तुत की गई, जिसे देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा के पंचम दिवस का शुभारंभ आचार्य मनीष शास्त्री, यश शास्त्री व गोपेश शास्त्री ने मुख्य यजमान परिवार से विधिविधानपूर्वक देवी-देवताओं का पूजन करवाकर किया।



नारनौल। कथा सुनाते आचार्य बजरंग शास्त्री। फोटो : हरिभूमि

कथा में पूतना वध के साथ ही लगे श्रीकृष्ण के जयकारे

आचार्य बजरंग शास्त्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का अवतार संसार के जीवों को धर्म और सत्य का मार्ग दिखाने, दुष्टों का संहार करने तथा संतों और ब्राह्मणों की रक्षा के लिए हुआ। जब-जब धर्म की हानि और अधर्म की वृद्धि होती है, तब-तब भगवान विभिन्न रूपों में अवतार लेकर पृथ्वी पर आते हैं। उन्होंने श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग सुनाते हुए बताया कि भगवान कृष्ण का जन्म मथुरा की कारागार में हुआ। वसुदेव जी भगवान श्रीकृष्ण को गोकुल में नंद बाबा के घर माता यशोदा के पास छोड़कर योगमाया को लेकर मथुरा लौट आए। आचार्य ने कहा कि जीव जब भगवान का आश्रय लेता है तो बंधनों से मुक्त होता है, जबकि माया का आश्रय लेने पर वह बंधनों में फंस जाता है। श्रीकृष्ण जन्म का समाचार गोकुल पहुंचते ही चारों ओर उत्सव का माहौल हो गया। नंद बाबा के घर बधाई देने वालों का तांता लग गया और खूब बधाई लुटाई गई। संतों एवं ब्राह्मणों को दान-दक्षिणा दी गई। आचार्य द्वारा कृष्ण जन्म की बधाई के भजन प्रस्तुत किए गए और श्रद्धालुओं ने भी उत्साह के साथ भगवान के जन्मोत्सव में भाग लिया। कथा में पूतना वध सहित शकटासुर, तृणावर्त, बकासुर, धेनुकासुर, वत्सासुर और अघासुर जैसे राक्षसों के उद्धार का प्रसंग भी सुनाया गया। इसके साथ ही भगवान श्रीकृष्ण की माखन चोरी लीला का सुंदर वर्णन किया गया तथा माखन चोरी की मनोहारी झांकी प्रस्तुत की गई।

दुःख के समय घबराना नहीं चाहिए

आचार्य ने कहा कि मनुष्य को दुख के समय घबराना नहीं चाहिए और सुख में अत्यधिक अहंकार नहीं करना चाहिए। जीवन में सुख-दुख आते-जाते रहते हैं। प्रत्येक परिस्थिति में भगवान का स्मरण और उन पर विश्वास बनाए रखना चाहिए। कथा के अंत में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा इंद्र का अभिमान दूर करने के लिए गोवर्धन पर्वत धारण करने की लीला का वर्णन किया गया। आचार्य मनीष निर्मल शास्त्री, यश शास्त्री, गोपेश शास्त्री ने मुख्य यजमान राकेश कुमार, सुरेश कुमार, महिपाल सिंह, प्रवीण कुमार, राहुल सहित समस्त किन्जा परिवार एवं ग्रामीणों से गिरिराज जी का पूजन करवाकर प्रसाद का भोग लगाया।

बाजरा खरीद शुरू कराने की मांग को लेकर अटेली मंडी में धरना कल

मंडी अटेली। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिला सचिव डॉ. व्रतपाल सिंह ने कहा कि क्षेत्र की मुख्य खरीफ फसल बाजरा की एमएसपी पर तत्काल सरकारी खरीद शुरू कराने की मांग को लेकर कल छह सितंबर को अनाज मंडी अटेली में धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी मंडियों में बाजरा की खरीद शुरू नहीं होने के कारण किसानों को अपनी फसल औने-पौने दामों पर बेचनी पड़ रही है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसान पहले ही खाद, बीज और अन्य कृषि सामग्री की बढ़ती कीमतों के कारण कर्ज के बोझ तले दबे हैं। ऐसे में खेती किसानों के लिए लगातार घाटे का सौदा साबित हो रही है।

खबर संक्षेप

पूर्व डिप्टी सीएम नांगल गांवों में करेंगे जनसंपर्क

नांगल चौधरी। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला 11 अक्टूबर को नांगल चौधरी हलके के विभिन्न गांवों का दौरा करेंगे। इस दौरान वे ग्रामीणों से रूबरू होकर नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करेंगे। साथ ही सरकार की योजनाओं की विफलताओं और जनसमस्याओं को लेकर लोगों से संवाद करेंगे। पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां भी सौंपी जाएंगी। जेजेपी जिला प्रधान विजय छिलरो ने बताया कि दुष्यंत चौटाला का दौरा सुबह 10 बजे गहली गांव से शुरू होगा। इसके बाद सुबह 11 बजे टहला, 12 बजे छिलरों और दोपहर एक बजे दोंखेरा में ग्रामीणों से मुलाकात करेंगे। दोपहर 12:30 बजे धौलेड़ा में राजकुमार यादव के आवास पर जलपान कार्यक्रम रखा गया है।

बाबा खेतानाथ आश्रम में चलाया स्वच्छता अभियान

नारनौल। प्रतिभा विकास एवं जन कल्याण मंच के तत्वावधान में रविवार को पुरानी मंडी स्थित बाबा खेतानाथ आश्रम परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। आश्रम प्रबंधक महाराज रामनाथ के सानिध्य और मंच प्रधान प्रमोद शर्मा के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, संतों, स्थानीय नागरिकों व युवाओं ने श्रमदान किया। इस दौरान मंदिर परिसर, सत्संग भवन, परिक्रमा मार्ग, भोजनालय और मुख्य द्वार के आसपास सफाई कर सिंगल यूज प्लास्टिक, पॉलीथिन व सूखा कचरा एकत्र किया गया।

नांगल चौधरी, सहबाजपुर व बसीरपुर में सेवा सेतु कैंप लगा

कैंप में अफसरों के सामने समस्याएं लेकर पहुंचे लोग

जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा ने शनिवार को कैंप का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल।





नारनौल। कैंप में सेवाओं के लिए आवेदन करते लाभार्थी व कैंप का निरीक्षण करते एसडीएम उदय सिंह। फोटो : हरिभूमि

प्रदेश सरकार के सेवा संकल्प अभियान के तहत रविवार को नांगल चौधरी के नगर पालिका कार्यालय सहबाजपुर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय और खंड निजामपुर के बसीरपुर स्कूल में सेवा सेतु कैंप आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जनसेवा के संकल्प को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से चल रहे इस अभियान में अब सोमवार को निजामपुर खंड के गांव दंचोली के पंचायत घर में शिविर लगेगा। इससे पहले शनिवार को नांगल चौधरी में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी (बीडीपीओ) कार्यालय और एससी चौपाल में कैंप लगा था, जहां बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे और संबंधित विभागों के अधिकारियों के सामने अपनी बात रखी। जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा ने शनिवार को कैंप का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और लोगों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना से जुड़े परिवार भी बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। साथ ही पंडित दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के लिए भी आवेदन लिए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने नजदीकी कैंप में पहुंचकर अपनी शिकायतें दर्ज करवाएं और योजनाओं का लाभ उठाएं। अभियान का उद्देश्य सरकारी सेवाओं और योजनाओं को सीधे लोगों के द्वार तक पहुंचाना है। कैंपों में अलग-अलग विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहते हैं, ताकि लोगों को अपने काम के लिए दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। मौके पर ही आवेदन लेने के साथ-साथ लोगों की शिकायतें भी दर्ज की जा रही हैं, जिससे उनका समय और खर्च दोनों बचते हैं।

एसडीएम ने मौके पर ही बनाई पेंशन

नारनौल। एसडीएम उदय सिंह ने बसीरपुर में आयोजित कैंप का निरीक्षण कर मौके पर ही एक लाभार्थी की वृद्धावस्था पेंशन बनाई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जनसेवा के संकल्प को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से चल रहे इस अभियान में लोगों को अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर अपनी समास्याएं रखनी खहिए, ताकि उनका जल्द समाधान किया जा सके।

बोले अधिकारी

अधिकारियों ने बताया कि कैंपों में दर्ज होने वाले आवेदनों और शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजकर उनके निपटारे की प्रक्रिया शुरू की जाती है। उन्होंने आसपास के ग्रामीणों और शहरवासियों से आह्वान किया कि वे सोमवार को दंचोली के पंचायत घर में लगने वाले शिविर में पहुंचकर योजनाओं की जानकारी लें और अपनी समस्याओं का समाधान करवाएं।

रामलीला मंचन से पहले बल्ली पूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली



मंडी अटेली। बल्ली पूजन करते श्री शिव रामलीला समिति के सदस्य।

अटेली मंडी के झंडा चौक पर श्री शिव रामलीला समिति की ओर से रामलीला मंचन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

छह अक्टूबर से शुरू होने वाली रामलीला को लेकर रामलीला मंचन स्थल पर बल्ली रोपण कर विधिवत पूजन किया गया। इस दौरान समिति के सदस्यों ने रामलीला के सफल आयोजन को लेकर व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। समिति से जुड़े विक्की पंजाबी ने बताया कि इस बार रामलीला मंचन के साथ रावण दहन को लेकर भी विशेष तैयारियां की गई हैं। अटेली में पहली बार 60 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। इसके साथ ही 50 फुट ऊंचे कुंभकरण और 40 फुट ऊंचे मेघनाथ के पुतले भी तैयार किए जाएंगे। इन विशाल पुतलों के निर्माण को लेकर समिति की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। बड़े पुतलों के दहन को लेकर क्षेत्र के लोगों में खासा उत्साह और उत्सुकता बनी हुई है। समिति सदस्यों ने बताया कि रामलीला के दौरान मंचन और अन्य व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। झंडा चौक पर होने वाले आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है। बल्ली पूजन के अवसर पर पवन शास्त्री, राकेश सैनी, जितेंद्र गोयल, लालाराम, अरुण गुप्ता, अजय मुदगिल, लालचंद सैनी, ओमप्रकाश गुप्ता, गौरव गर्ग सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

दानवीर खुशीराम अग्रवाल का धनौन्दा में अभिनंदन

नारनौल। दिल्ली राजधानी में सफल व्यवसाय कर रहे प्रमुख गोभक्त, दानवीर और समाजसेवी सेठ खुशीराम अग्रवाल का पैतृक गांव धनौन्दा में नागरिक अभिनंदन किया गया। नेताजी अतरलाल की अगुवाई में ग्रामवासियों ने सेठ खुशीराम को साफा व पटका पहनाकर प्रशस्ति पत्र तथा पुस्तक भेंट कर राष्ट्र गौरव अवार्ड से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली राजधानी जैसे क्षेत्र में सफल व्यवसायी के तौर पर रहते हुए भी सेठ खुशीराम ने अपने गांव की जड़ों से जुड़े रहकर गांव के जनकल्याण और विकास में जो योगदान दिया है, वह हमेशा स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा और आने वाली पीढ़ियां उनके योगदान को याद करेंगी। ऐसे महान व्यक्ति समाज के प्रेरणा स्त्रोत होते हैं और उनका सम्मान करना समाज का नैतिक कर्तव्य है।

न्यूज डायरी



पीयूष ने देशभर में चमकाया बीआर का नाम

महेंद्रगढ़। बीआर आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेहलंग के कक्षा 12वीं के छात्र पीयूष ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार उपलब्धि हासिल कर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की नेशनल जूडो चैंपियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पीयूष की इस उपलब्धि से विद्यालय के साथ-साथ पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। सीबीएसई की राष्ट्रीय स्तर की जूडो प्रतियोगिता का आयोजन 29 सितंबर से चार अक्टूबर तक असंध-जींद रोड स्थित मिनर्वा पब्लिक स्कूल परिसर में किया गया। छह दिनों तक चले इस खेल महाकुंभ में देश के विभिन्न राज्यों से सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया और अलग-अलग आयु एवं भार वर्गों में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में बीआर आदर्श विद्यालय सेहलंग का प्रतिनिधित्व करते हुए पीयूष ने अंडर-19 आयु वर्ग के 60 किलोग्राम भार वर्ग में हिस्सा लिया। राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के बीच पीयूष ने शानदार खेल कौशल, आत्मविश्वास, अनुशासन और दमदार प्रदर्शन का परिचय दिया।

नेत्र जांच शिवर में 205 रोगियों की हुई जांच



महेंद्रगढ़। यादव सभा एवं राहत ग्रुप के तत्वाधान मे 196वां निःशुल्क नेत्र जांच शिविर राहत ग्रुप प्रधान डॉक्टर रामपाल यादव की अध्यक्षता में हुआ। कप्तान राजेंद्र सिंह खेड़ा ने बताया कि हमेशा की तरह नेत्र जांच शिवर का प्रारंभ हवन के साथ किया गया। यज्ञ पुरोहित यादव सभा के पूर्व उप प्रधान एवं आर्य समाज प्रधान पंडित भूपेंद्र आर्य ने हवन संपन्न कराया। तत्पश्चात डॉ. जितेंद्र यादव व उनकी टीम के डॉक्टर रामपाल यादव और डॉक्टर आरपी गिरी ने रोगियों की नेत्र जांच की तथा डॉक्टर प्रकाश वीर आर्य एवं डॉ आनंद कुमार ने बीपी व शुगर की जांच की। शिविर में 205 रोगियों की जांच कर 35 रोगियों को ऑपरेशन के लिए सरदार सिंह की देखरेख में राजकीय जालान नेत्र चिकित्सालय भिवानी भेजा गया।

राधे-राधे के जयघोष से गूंजा नारनौल



नारनौल। शहर में रविवार को भगवान श्रीराधा-कृष्ण की भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। श्री राधे-राधे मित्र मंडल के तत्वावधान में आयोजित प्रभात फेरी के दौरान ढोल-डीजे के साथ श्रद्धालुओं ने राधा नाम का संकीर्तन किया। 'राधे-राधे' के जयघोष से शहर की गलियां गूंज उठीं और माहौल भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य ठाकुर जी राधा रानी शांडिल्य परिवार के सदस्यों ने पावन ज्योति प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद श्रद्धालुओं को चंदन का तिलक लगाया गया।



पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

नांगल चौधरी। सरस्वती पब्लिक स्कूल भोजावास में विद्यालय के प्राचार्य राजेश कुमार के जन्मोत्सव के पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के प्रबंध निदेशक अमित यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। स्कूल स्टाफ एवं अन्य सदस्यों ने प्राचार्य को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। प्रबंध निदेशक अमित यादव ने कहा कि जन्मदिन जैसे अवसरों को केवल उत्सव तक सीमित न रखकर समाज और पर्यावरण के लिए उपयोगी बनाया जाना चाहिए। पौधरोपण प्रकृति संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने प्राचार्य राजेश कुमार की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि उनके कार्यों में निष्ठा और पारदर्शिता का समावेश है। जिन्होंने विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों को साथ लेकर टीम भावना के साथ कार्य किया है। कार्यक्रम के दौरान स्कूल स्टाफ ने पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। इस मौके पर प्रबंधन कमेटी के संयोजक अक्षत यादव व शिक्षक स्टॉफ मौजूद रहा।

प्रो. ओमप्रकाश यादव की पुण्यतिथि पर पौधरोपण

नारनौल। प्रोफेसर ओमप्रकाश यादव की सातवीं पुण्यतिथि के अवसर पर गांव मंढाणा बस स्टैंड पर पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जामुन, अमलतास, स्नेक प्लांट, बरगद, पीपल, नीम, गुलमोहर एवं विभिन्न फलदार पौधों का वितरण किया गया। इसके साथ ही माता कालका मंदिर परिसर में त्रिवेणी, जामुन, अमलतास एवं गुलमोहर सहित विभिन्न पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर अनूप यादव थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में उदमीराम, लोकेश प्रिंसिपल, अनिल प्रिंसिपल, ईश्वर सिंह पोस्ट मास्टर, हवासिंह मास्टर, सतीश मास्टर, रमाकांत मास्टर, छोटेलाल मास्टर, योगेश्वर मास्टर, कैलाश, प्रदीप इंस्पेक्टर, राकेश, लोकेश मास्टर आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बच्चों की गतिविधियों पर रखें नजर

- शिक्षकों ने बच्चों की पढ़ाई, अनुशासन, व्यवहार और कक्षा में उनकी सक्रियता के बारे में अभिभावकों को बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी



नांगल चौधरी। एनसीसी कैडेटों का हौंसला बढ़ाते चेयरमैन सुभाषचंद।

केएल मेमोरियल स्कूल इस्लामपुरा में प्राचार्य राजबीर सिंह की अध्यक्षता में शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों की मासिक प्रगति रिपोर्ट अभिभावकों के साथ साझा की गई।

शिक्षकों ने बच्चों की पढ़ाई, अनुशासन, व्यवहार और कक्षा में उनकी सक्रियता के बारे में अभिभावकों को जानकारी दी। इस दौरान बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया। संस्था के चेयरमैन सुभाषचंद ने कहा कि बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी केवल स्कूल की नहीं, बल्कि परिवार और समाज की भी है। वर्तमान समय में बच्चे पढ़ाई के साथ मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया से भी प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में अभिभावकों को बच्चों की दैनिक गतिविधियों के साथ-साथ उनकी संगत पर भी नजर रखनी चाहिए। बच्चों के मित्र कौन हैं, वे अपना खाली समय कैसे बिताते हैं और इंटरनेट पर क्या देख रहे हैं, इसकी जानकारी अभिभावकों को होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों पर केवल पढ़ाई का दबाव बनाने के बजाय उनके साथ मित्रवत व्यवहार किया जाए, ताकि वे अपनी परेशानियां और मन की बातें खुलकर अभिभावकों से साझा कर सकें। प्राचार्य राजबीर सिंह ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ खेल, योग, सांस्कृतिक गतिविधियों, रचनात्मक कार्यों और नैतिक शिक्षा को भी महत्व दिया जाना जरूरी है।

स्कूलों की एकजुटता व विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का लिया संकल्प, नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष बने जगदेव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना



कनीना। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन का प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर जगदेव यादव का अभिनंदन करते पदाधिकारी।

हरियाणा प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के लिए संगठनात्मक दृष्टि से दो अक्टूबर का दिन महत्वपूर्ण रहा। राज इंटरनेशनल स्कूल रेवाड़ी में आयोजित प्रदेश स्तरीय चुनावी बैठक में एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला के चेयरमैन जगदेव यादव को हरियाणा प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन का प्रदेश उपाध्यक्ष चुना गया है। उनके चयन की घोषणा होते ही उपस्थित विद्यालय संचालकों एवं शिक्षा जगत से जुड़े प्रतिनिधियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनका जोरदार स्वागत किया है। बता दें कि जगदेव यादव का शिक्षा एवं संगठन के क्षेत्र में लंबे समय से उल्लेखनीय योगदान रहा है। विद्यालय संचालकों के हितों को मजबूती से उठाना, बेहतर समन्वय स्थापित करना, संगठन को मजबूत करना तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देना उनकी कार्यशैली का हिस्सा रहा है। उनके इसी दीर्घकालिक अनुभव और निरंतर सक्रियता को देखते हुए संगठन ने उन्हें प्रदेश स्तर पर यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। नई जिम्मेदारी मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एसोसिएशन के संरक्षक जवाहर सिंह दोहन ने कहा कि जगदेव यादव ने हमेशा संगठन और विद्यालयों के हित को प्राथमिकता दी है। उनकी व्यवहार-कुशलता और साथियों को साथ लेकर चलने की क्षमता एसोसिएशन के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल यादव ने कहा कि जगदेव यादव स्कूल संचालकों की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए सदैव सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।

शिक्षा की प्रगति पर दिया जोर

प्रदेश उपाध्यक्ष का दायित्व मिलने के बाद जगदेव यादव ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य प्रदेश के निजी विद्यालयों को एक मजबूत एवं एकजुट मंच पर लाना रहेगा। विद्यालय संचालकों की समस्याओं, अधिकारों और आवश्यकताओं को संगठन के माध्यम से मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, इसलिए विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के संपूर्ण विकास के लिए खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, क्विज, विज्ञान व नवाचार, वाद-विवाद, भाषण तथा कला प्रतियोगिताओं को जिला एवं प्रदेश स्तर पर बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विद्यालयों की मजबूती केवल किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि सभी विद्यालय संचालकों की सामूहिक शक्ति और एकता ही संगठन की वास्तविक ताकत है। जगदेव यादव के प्रदेश उपाध्यक्ष चुने जाने पर प्रदेशभर से आए विद्यालय संचालकों, प्राचार्यों व शिक्षाविदों ने उन्हें बधाई दी है।

देवस्थान बूस्टिंग स्टेशन पर लगी नई मोटर, दूर की लाइनों में पानी पहुंचने की उम्मीद



नारनौल। मोहल्ला देवस्थान स्थित बूस्टिंग स्टेशन पर पानी की समस्या को लेकर लगातार उठ रही आवाज के बाद जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने नई मोटर लगा दी है। मोहल्लावासियों के अनुसार पहले यहां 1080 एचपी की मोटर लगी हुई थी, जिसे बदलकर अब 2080 एचपी की मोटर लगाई गई है। नई मोटर लगने के बाद गुरुद्वारा लाइन और बड़का कुआं लाइन सहित दूर के क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुचारू होने की उम्मीद जगी है। दरअसल, पिछले दिनों इन क्षेत्रों में आठ से 10 दिनों तक पानी नहीं पहुंचने की समस्या सामने आई थी। मोहल्लावासियों का कहना था कि बूस्टिंग स्टेशन की टंकी के नजदीक वाले हिस्सों में तो पानी पहुंच रहा था, लेकिन दूर स्थित लाइनों में पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो रही थी। पानी के लिए लोगों को परेशान होना पड़ रहा था। मोहल्लावासियों ने बताया कि इस समस्या को प्रिंट मीडिया और सोशल मीडिया ने प्रमुखता से उठाया।

सार्वजनिक सूचना

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कांटी द्वारा बस स्टैंड पर नवनिर्मित 32 दुकानों को किराये पर छोड़ने के लिए ग्राम पंचायत द्वारा निर्धारित दिनांक 07-10-2026 को सुबह 10 बजे किराये की खुली बोली लगाई जाएगी। इच्छुक बोली दाता किराये पर दुकान लेकर लाभ उठाएं।

हस्ता/- सरपंच, ग्राम पंचायत कांटी
खण्ड अटेली नांगल
जिला महेंद्रगढ़

सिहमा में कांग्रेस सम्मेलन कल

मंडी अटेली। सिहमा में कल छह अक्टूबर होने वाले कांग्रेस के ब्लॉक स्तरीय सम्मेलन से पहले पार्टी ने गांवों में जनसंपर्क तेज कर दिया है। रविवार को ब्लॉक अध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन दिलीप सिंह ने सागरपुर, दुबलाना, जाट गुवाना, खतरीपुर, गुवानी में ग्रामीणों एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। ब्लाक अध्यक्ष दिलीप सिंह ने बताया कि सम्मेलन प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह मुख्य अतिथि तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष सतवीर झूकिया विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने पर चर्चा की जा रही है।

रामलीला में दिखेगा युवाओं का हुनर, कनिष्क राम, तो ध्रुव बनेंगे लक्ष्मण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर की पुरानी अनाज मंडी स्थित श्री कृष्णा ड्रैमेटिकल क्लब का रंगमंच एक बार फिर भगवान श्रीराम की लीलाओं से जीवंत होने जा रहा है। भगवान नारायण सेवा संस्था के तत्वावधान में सात से 21 अक्टूबर तक रामलीला का मंचन किया जाएगा। इस बार रामलीला की खासियत अनुभवी कलाकारों के साथ बच्चों और युवाओं की नई प्रतिभाओं का मंच पर उतरना है। कनिष्क भगवान श्रीराम और ध्रुव लक्ष्मण की भूमिका में नजर आएंगे। श्री कृष्णा ड्रैमेटिकल क्लब के मंच पर पिछले करीब 15 वर्षों से लगातार रामलीला का मंचन किया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से शहरवासियों में रामलीला को लेकर उत्साह लगातार बढ़ा है। मंचन के दौरान बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचकर भगवान श्रीराम की लीलाओं का आनंद लेते हैं।

रामलीला कमेटी के प्रवक्ता सुरेंद्र जैन ने बताया कि इस वर्ष सात से 21 अक्टूबर तक रामलीला का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि कई नए कलाकारों को इस बार अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर दिया गया है। कलाकारों को उनके पात्रों के संवाद, अभिनय और मंच संचालन का विशेष अभ्यास कराया जा रहा है। रामलीला के पहले दिन सात अक्टूबर को शिव-पार्वती संवाद, शिव तलहटी, वेदवती और श्रवण कुमार प्रसंगों का मंचन होगा। आठ अक्टूबर को राम जन्म, विराट रूप और ताड़का वध प्रस्तुत किया जाएगा। नौ अक्टूबर को अहिल्या उद्धार, सुबाहु-मारीच वध, जनक संदेश और फुलवारी का मंचन होगा। 10 अक्टूबर को धनुष यज्ञ एवं परशुराम-लक्ष्मण संवाद, 11 अक्टूबर को कोप भवन भाग-1 और मंथरा-कैकेयी संवाद, जबकि 12 अक्टूबर को कोप भवन भाग-2 एवं दशरथ-कैकेयी संवाद प्रस्तुत किए जाएंगे। 13 अक्टूबर को राम वनवास, दशरथ मरण, भरत मिलाप एवं विराध वध होगा। 14 अक्टूबर को अत्रि-अनसूया, गुरु-चेला, शूर्पणखा की नाक कटना एवं खर-दूषण वध का मंचन होगा। 15 अक्टूबर को रावण-मारीच संवाद, सीता हरण और शबरी मिलन दर्शाया जाएगा। वहीं 16 अक्टूबर को सुग्रीव मित्रता, बाली वध, अशोक वाटिका एवं लंका दहन, 17 अक्टूबर को विभीषण शरणागत और रावण-अंगद संवाद तथा 18 अक्टूबर को लक्ष्मण शक्ति एवं लक्ष्मण-मेघनाथ युद्ध प्रस्तुत किया जाएगा। 19 अक्टूबर को कुंभकरण वध एवं मेघनाथ वध होगा।



नारनौल। रामलीला की रिहर्सल करते युवा कलाकार। फोटो : हरिभूमि

दशहरा पर रावण, मेघनाथ और कुंभकरण का दहन

20 अक्टूबर को दशहरा पर्व के अवसर पर शोभा सागर तालाब में रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों का दहन किया जाएगा। इसके साथ ही बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया जाएगा। 21 अक्टूबर को भगवान श्रीराम के राजतिलक के साथ रामलीला का समापन होगा। क्लब के प्रधान रवि गर्ग ने बताया कि रामलीला मंचन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। कलाकार प्रतिदिन रिहर्सल कर रहे हैं। करीब पांच से सात बच्चे और तीन-चार नए युवा नियमित रूप से अभ्यास के लिए पहुंच रहे हैं। सभी कलाकारों को उनके पात्रों के अनुरूप संवाद, अभिनय और मंच संचालन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कुछ प्रमुख पात्रों के अभिनय में बदलाव

रामलीला प्रभारी एवं मंत्री दयानंद सैनी ने बताया कि इस बार कुछ प्रमुख पात्रों के अभिनय में बदलाव किया गया है तथा नए कलाकारों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अनुभवी कलाकारों के अनुभव और युवाओं-बच्चों की नई ऊर्जा का संगम इस बार रामलीला को और आकर्षक बनाएगा।

न्यूज डायरी



मॉडर्न स्कूल में हुई अभिभावक-अध्यापक बैठक

महेंद्रगढ़। मॉडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भोजावास में अभिभावक-अध्यापक बैठक हुई। इस बैठक में 380 अभिभावक पहुंचे। प्राचार्य अनिल कुमार तथा समस्त स्टाफ सदस्यों ने पीटीएम में पहुंचने वाले अभिभावकों का स्वागत किया। इस पीटीएम का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा करना तथा अभिभावकों-शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था। सभी अभिभावकों ने अपने बच्चों की अर्धवार्षिक परीक्षा की रिपोर्ट उनके कक्षा अध्यापकों से प्राप्त की। अभिभावकों ने अपने बच्चों की पढ़ाई, व्यवहार तथा अन्य गतिविधियों के बारे में अध्यापकों से चर्चा की। अध्यापकों ने अभिभावकों से बताया कि पीटीएम अभिभावक और अध्यापक के बीच सीधा संवाद स्थापित करती है, जिससे बच्चे की शैक्षणिक प्रगति का आंकलन किया जा सकता है।

विद्या भारती में अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन



नारनौल। विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर में अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सम्मेलन में दाताराम जमालपुर, हिम्मत सिंह गांवड़ी जाट, रविकांत मेहाड़ा, राजेन्द्र घाटासेर, रविन्द्र बाडलवास, मनमीत मौखुता, सोमवीर बसई, संजय बामनवास, कंवर सिंह ढाणी अहीरान, अमित निजामपुर, वेदपाल बसई, संदीप घाटासेर, जसवंत सरेली, विकास नापला, सुमेर सिंह बेसरड़ा, योगेश बसई, पवन पवेरा, अनुरोध टांटला की ढाणी, पवन कंवर का नांगल, चंद्रकांत पवेरा अनिल कुमार छिलरो, कृष्ण सिंह घाटासेर, ज्ञानप्रकाश निजामपुर, विजेन्द्र छिलरो, संदीप सरेली, कृष्ण नांगलिया, मोना मेहाड़ा, सुरेन्द्र सरेली, गोविन्द पवेरा, विक्रम सिंह बसई, कुलदीप निजामपुर आदि रहे।

बीआर स्कूल में अभिभावकों ने जाना बच्चों का परिणाम



महेंद्रगढ़। बीआर आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेहलंग में रविवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान टर्म-1 परीक्षा परिणाम भी घोषित किया गया। बड़ी संख्या में अभिभावकों ने विद्यालय पहुंचकर अपने बच्चों का परीक्षा परिणाम जाना तथा उनकी शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन, कक्षा में सहभागिता और सुधार की आवश्यकता वाले क्षेत्रों पर शिक्षकों से विस्तार से चर्चा की। पीटीएम के दौरान शिक्षकों ने अभिभावकों को विद्यार्थियों की विषयवार उपलब्धि एवं उत्तर पुस्तिकाओं की जानकारी दी। प्राचार्या ज्योति भारद्वाज ने कहा कि परीक्षा परिणाम बच्चों की प्रगति को समझने का एक माध्यम है। अभिभावक केवल अंकों पर ध्यान न देकर यह भी समझें कि बच्चे ने कहां अच्छा प्रदर्शन किया है और किन क्षेत्रों में उसे अधिक अभ्यास एवं मार्गदर्शन की आवश्यकता है।

मॉडर्न स्कूल में पीटीएम में अभिभावकों ने लिया भाग



महेंद्रगढ़। चामधेड़ा रोड मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रविवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान शिक्षकों ने अभिभावकों को सितंबर माह में आयोजित परीक्षाओं के परिणाम तथा मॉडर्न फाउंडेशन टेस्ट के बारे में अवगत कराया। साथ ही विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुशासन, नियमित उपस्थिति एवं सर्वांगीण विकास के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षकों ने अभिभावकों को बच्चों की कमजोरियों को दूर करने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए।

एशियन गेम्स पदक विजेता पूजा प्रजापति का स्वागत



मंडी अटेली। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए हाई जंप में कांस्य पदक जीतने वाली हरियाणा की बेटी पूजा प्रजापति के स्वदेश लौटने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। सिहमा खंड के गांव दौंगड़ा जाट निवासी ठेकेदार बलवान सिंह प्रजापति ने दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचकर पूजा प्रजापति का स्वागत किया और उनकी उपलब्धि पर बधाई दी। पूजा ने एशियन गेम्स में करीब छह फीट चार इंच की ऊंचाई पार कर हाई जंप स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से फतेहाबाद सहित पूरे हरियाणा में खुशी की लहर है।



जब तक पाखंड रहेगा, तब तक संपूर्ण देश में आर्य समाज की आवश्यकता रहेगी : स्वामी आर्यवेश

मंडी अटेली। आर्य समाज दौंगड़ा अहीर की ओर से आयोजित आर्य महासम्मेलन के दूसरे दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। सम्मेलन की शुरुआत हवन-यज्ञ से हुई। स्वामी प्रद्युम्न आचार्य महाराज एवं स्वामी यशदेव शास्त्री ने ब्रह्मा के रूप में यज्ञ संपन्न कराया तथा यज्ञ और संस्कारों के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कुमारी चंचल शास्त्री ने वेद पाठ प्रस्तुत करने के साथ गुरुकुल जीवन एवं वैदिक शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। समापन सत्र में प्रधान सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा दिल्ली के स्वामी आर्यवेश ने कहा कि जब तक पाखंड रहेगा आर्य समाज की आवश्यकता रहेगी। उन्होंने कहा कि भारत को फिर से विश्वगुरु बनाने के लिए नई पीढ़ी को अपने इतिहास, संस्कृति और वैदिक परंपराओं से जोड़ना जरूरी है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरुण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

लंबे समय के लिए किया जा रहा है भवन निर्माण, गुणवत्ताव सर्वोच्च प्राथमिकता : सैनी

जल्द होगी कमी दूर, करीब चार करोड़ की लागत से बनेगा नपा का नया भवन

प्रधान ने किया निरीक्षण, निर्माण कार्य में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करने के दिए निर्देश, चार मंजिला भवन में होंगी आधुनिक सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर में लंबे समय से महसूस की जा रही नगरपालिका भवन की कमी अब जल्द ही दूर होने की उम्मीद है। लगभग चार करोड़ रुपये की लागत से बन रहे नए नगरपालिका भवन का नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और मौके पर मौजूद अधिकारियों व निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों से भवन की गुणवत्ता, निर्माण सामग्री और कार्य की गति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शहर के लिए तैयार किए जा रहे इस महत्वपूर्ण भवन के निर्माण में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी ने निर्माण स्थल का निरीक्षण करते हुए भवन के अलग-अलग हिस्सों को देखा। उन्होंने निर्माण में इस्तेमाल की जा रही सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भवन का निर्माण लंबे समय को ध्यान में रखकर किया जा रहा है, इसलिए मजबूती और गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों और तकनीकी नियमों के अनुसार ही कराया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। बताया गया कि शहर के बीचोंबीच स्थित पुराना नगरपालिका भवन काफी छोटा था। भवन में जगह की कमी के कारण अधिकारियों और कर्मचारियों को रोजमर्रा के कामकाज में अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कार्यालय में आने वाले शहरवासियों के लिए भी पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं था। इसके अलावा पार्किंग की समस्या भी लंबे समय से बनी हुई थी। नपा कार्यालय में आने वाले लोगों के साथ-साथ अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने वाहनों को खड़ा करने के लिए भी परेशानी उठानी पड़ती थी। पुराने भवन में जगह कम होने के कारण विभिन्न शाखाओं के कार्यालयों को व्यवस्थित तरीके से संचालित करना भी चुनौती था। रिकॉर्ड रखने, कर्मचारियों के बैठने तथा आम लोगों के लिए आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था में भी स्थान की कमी आड़े आती थी। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए नए नगरपालिका भवन के निर्माण की योजना तैयार की गई है।



महेंद्रगढ़। भवन का निरीक्षण करते प्रधान रमेश सैनी। फोटो : हरिभूमि

चार मंजिला होगा पार्क

नया भवन करीब चार मंजिला होगा और इसे आधुनिक सुविधाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। भवन में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए पर्याप्त कार्यालय कक्ष के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए भी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। भवन की डिजाइन इस प्रकार तैयार की जा रही है कि नगरपालिका की विभिन्न शाखाओं का काम व्यवस्थित तरीके से संचालित हो सके। इसके साथ ही पार्किंग सहित अन्य जरूरी सुविधाओं का भी ध्यान रखा जा रहा है। नगरपालिका प्रधान रमेश सैनी ने कहा कि नया भवन केवल कार्यालय के रूप में नहीं, बल्कि शहरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगरपालिका कार्यालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग अपने विभिन्न कार्यों के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में भवन में पर्याप्त जगह, बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ वातावरण, पार्किंग और अन्य आधुनिक सुविधाएं होना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान प्रधान ने निर्माण एजेंसी को कार्य में तेजी लाने के साथ-साथ गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में जल्दबाजी के नाम पर गुणवत्ता प्रभावित नहीं होनी चाहिए। भवन का निर्माण तय मानकों के अनुसार पूरा किया जाए, ताकि आने वाले वर्षों में नगरपालिका को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि शहर के विकास के लिए मजबूत आधारभूत ढांचा जरूरी है और नया नगरपालिका भवन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भवन के तैयार होने के बाद नगरपालिका की कार्यप्रणाली को भी अधिक व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी। अधिकारियों और कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा, जबकि शहरवासियों को अपने काम करवाने के लिए अधिक सुविधाजनक माहौल उपलब्ध होगा।

नियमित निगरानी के निर्देश

निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी, कर्मचारी और निर्माण कार्य से जुड़े प्रतिनिधि मौजूद रहे। नगरपालिका प्रधान ने निर्माण कार्य की प्रगति की नियमित निगरानी करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि भवन का निर्माण निर्धारित समयसीमा में पूरा कर लिया जाएगा और जल्द ही शहरवासियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त नया नगरपालिका भवन उपलब्ध होगा।

अटेली में इनेलो को झटका, जेजेपी ने बढ़ाई ताकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अटेली हलके में जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) ने संगठनात्मक ताकत बढ़ाने का दावा किया है। अटेली हलका प्रधान बेदू राता के नेतृत्व में गांव भोजवास के जगदीश प्रधान, मुंशीराम और रघुबीर शर्मा ने दिल्ली स्थित आसोला फार्म पर पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की मौजूदगी में जेजेपी की सदस्यता ग्रहण की। नए कार्यकर्ताओं के पार्टी में शामिल होने से जेजेपी ने इसे अटेली की राजनीति में संगठन के विस्तार के रूप में बताया है।



इस अवसर पर दुष्यंत चौटाला ने नए साथियों का पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जेजेपी में शामिल होने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरा मान-सम्मान और संगठन में उचित जिम्मेदारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि नए साथियों के जुड़ने से अटेली हलके में पार्टी के संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी तथा जमीनी स्तर पर पार्टी की ताकत और मजबूत होगी। चौटाला ने कहा कि देवीलाल की विचारधारा में विश्वास रखने वाले लोगों के लिए जेजेपी के दरवाजे हमेशा खुले हैं।

स्प्रिंग फील्ड स्कूल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर हुई चर्चा

नारनौल। नगर के मोहल्ला रावका स्थित स्प्रिंग फील्ड पब्लिक स्कूल में रविवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के माता-पिता एवं अभिभावकों ने भाग लिया। इस दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति के साथ-साथ उनकी उपस्थिति, अनुशासन और अन्य गतिविधियों के संबंध में अभिभावकों से चर्चा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की पढ़ाई की स्थिति का मूल्यांकन करने के साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना रहा। अध्यापकों ने प्रत्येक विद्यार्थी की शैक्षणिक प्रगति एवं विभिन्न गतिविधियों से संबंधित जानकारी अभिभावकों के साथ साझा की। प्रधानाचार्य भीमसेन ने कहा कि बच्चों के संपूर्ण विकास और उज्ज्वल भविष्य के लिए घर तथा विद्यालय के बीच बेहतर तालमेल बेहद जरूरी है।

राजवंशी स्कूल में लगाई विज्ञान प्रदर्शनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राजवंशी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दौचाना में विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार की भावना विकसित करने के उद्देश्य से विज्ञान प्रदर्शनी एवं अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में कक्षा तीसरी से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने 50 से अधिक वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा और सृजनात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य ओमप्रकाश यादव रहे। उन्होंने प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न मॉडलों का अवलोकन और उनके प्रयासों की सराहना की। मॉडलों का मूल्यांकन करने के लिए वनस्पति विज्ञान के डॉ. मनोज कनौजिया, रसायन विज्ञान के विपिन अरोड़ा एवं भौतिक विज्ञान के दीपक सैनी निर्णायक मंडल में शामिल रहे। प्रबंध निदेशक निखिल कुमार ने अतिथियों का सम्मान किया।



101 मेधावी विद्यार्थियों को बांटी छात्रवृत्ति



हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

युवा एवं सेवा फाउंडेशन की ओर से जिले के अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित 'समुत्कर्ष विद्यार्थी प्रोत्साहन उपक्रम' के द्वितीय बैच का द्वितीय समारोह रविवार को उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। जिसमें जिले के 101 मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। समारोह की मुख्य अतिथि हरियाणा बाल संरक्षण बोर्ड की चेयरपर्सन तृप्ति श्योराण रही। मुख्य वक्ता ग्राम विकास गतिविधि के प्रांत संयोजक एवं समाजसेवी अनूप भाली, रोहतक तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राजकीय महाविद्यालय झोझू कलां के प्राचार्य डॉ. राजपाल राठी मौजूद रहे।

उद्घाटन विधायक ने हुड़ीना में 1.24 करोड़, रामपुरा में 60, मेई में 75 व फैजाबाद में 52 लाख के कार्यों का किया शिलान्यास

गांवों में विकास कार्यों को दी जा रही प्राथमिकता: ओमप्रकाश

- ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने रविवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के गांव हुड़ीना, रामपुरा, मेई और फैजाबाद में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इस दौरान गांव हुड़ीना में एक करोड़ 24 लाख रुपये, रामपुरा में 60 लाख रुपये, मेई में 75 लाख रुपये तथा फैजाबाद में 52 लाख रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के गांवों में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करवाया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा सहित मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि गांवों का विकास होने से ही प्रदेश और देश के विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता तथा हरियाणा के सभी विधायकों के साथ मुलाकात की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने बैठक में जनप्रतिनिधियों को राजनीतिक कार्यकर्ता के साथ-साथ सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में भी सक्रिय रहने तथा जनसेवा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने, सरकारी योजनाओं में आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में लगातार सक्रिय रहकर जनता से सीधा संपर्क बनाए रखने पर जोर दिया। ओमप्रकाश यादव ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाला कोई भी व्यक्ति मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहे, इसके लिए विकास कार्य लगातार जारी रहेंगे। विधायक ने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी। ग्रामीणों द्वारा रखी गई समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मौके पर ही फोन पर बातचीत की तथा आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करवाना उनकी प्राथमिकता है और विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी।



नारनौल। गांव हुड़ीना में विकास कार्य का उद्घाटन करते विधायक यादव।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर रामपुरा के सरपंच विजय, खोड़मा के सरपंच बहादुर, मंडल अध्यक्ष मनोज यादव, मेई के अजय मंत्री, हुड़ीना के सरपंच जसवंत, रामपुरा के सतीश सरपंच, फैजाबाद के सरपंच मानू, मेई के सरपंच रतिराम, सतीश बबली, कृष्णा जैलदार, भागीरथ मोहनपुर, प्रमोद सरपंच सिहमा, सोमेश यादव, ब्लॉक समिति वाइस चेयरमैन प्रतिनिधि प्रवीण यादव, कनिष्ठ अभियंता हरीश कुमार, कनिष्ठ अभियंता नीरज, पंचायती विभाग के उपमंडल अधिकारी राजकुमार सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।